

कब्बी और बड़ा-सा अँधेरा

CooCubby · हिन्दी · Cubby and the Big Dark



कब्बी जाग गया। अँधेरा है।

आधी रात को कब्बी जाग गया। कमरे में अँधेरा था। बहुत अँधेरा।



पापा?

“पापा?” कब्बी ने धीरे से पुकारा। थप, थप, थप। पापा बेयर अंदर आए। उनकी आवाज़ प्यार भरी थी, जैसे वो भी नींद में हों।



अँधेरा तो आसमान का कंबल है।

“अँधेरा तो बस आसमान का कंबल है,” पापा बेयर ने कहा। “इसमें स्टार्स आराम से दुबके रहते हैं।”



ऑली बोला, हू-हू, हैलो!

खिड़की पर बैठे ऑली ने कहा, “हू-हू! मुझे अँधेरा अच्छा लगता है। सब कितना चुपचाप और आराम-आराम लगता है।”



छोटी-सी स्टार नाइट लाइट।

पापा बेयर ने छोटी-सी स्टार नाइट लाइट जला दी। कमरे में हल्की-सी सुनहरी रोशनी फैल गई।



कमरे में अपने दोस्तों को ढूँढो।

“अपना कंबल ढूँढ सकते हो? अपना टेडी? अपना कप?” कब्बी ने सब ढूँढ लिए। सब वहीं थे।



तीन बार धीरे-धीरे साँस लो।

“तीन बार धीरे-धीरे साँस लो,” पापा बेयर ने कहा। साँस अंदर... बाहर। अंदर... बाहर। अंदर... बाहर। कब्बी के कंधे ढीले हो गए।



पापा पास ही हैं।

पापा बेयर बेड के पास बैठ गए। “मैं यहीं हूँ।” कब्बी फिर से लेट गया।



अब अँधेरा भी दोस्त है।

कब्बी ने अँधेरे को देखा। अब डर नहीं लग रहा था। वो तो बस आसमान का कंबल था। कब्बी ने एक बड़ी-सी जम्हाई ली।



फिर से सो गए। ज़्ज़्ज़...

ऑली ने धीरे से एक बार कहा, “हू।” कब्बी ने आँखें बंद कर लीं। और सुबह तक अँधेरे के कंबल में आराम से सोया रहा।



CooCubby

Free picture stories for little ones, in 8 Indian languages

coocubby.com